



**Geh Press**

Technical & Scientific Book Publishers  
USA Japan Singapore Germany India Australia

**Logical Reasoning Tricks and Techniques for**

**Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.**

### **LOGIC REASONING- STATEMENT CONCLUSION (HINDI)**

**Q1: कथन: सभी स्तनधारी गर्म रक्त वाले जानवर हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह सामान्यीकृत करता है कि "स्तनधारी" श्रेणी के सभी सदस्य गर्म रक्त होने की विशेषता साझा करते हैं। यह निष्कर्ष जैविक वर्गीकरण और वैज्ञानिक अवलोकन द्वारा समर्थित है, जिन्होंने स्तनधारियों को उनके गर्म रक्त वाले स्वभाव के आधार पर लगातार वर्गीकृत किया है। इसके अतिरिक्त, यह स्तनधारियों की मौलिक परिभाषा के साथ कशेरुक जानवरों के रूप में संरक्षित होता है जो स्तन ग्रंथियों, बालों और आंतरिक रूप से शरीर के तापमान को विनियमित करने की क्षमता की विशेषता है। इस प्रकार, निष्कर्ष गर्म रक्त वाले प्राणियों के रूप में स्तनधारियों के अंतर्निहित गुणों को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी स्तनधारी गर्म रक्त वाले होते हैं।

**Q2: कथन: सभी धातुएँ विद्युत का संचालन करती हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह "धातुओं" श्रेणी के सभी सदस्यों के लिए विद्युत चालकता की संपत्ति का विस्तार करता है। यह निष्कर्ष धातुओं के भौतिक गुणों द्वारा समर्थित है, जिसमें आमतौर पर डेलोकाइज्ड इलेक्ट्रॉन होते हैं जो विद्युत प्रवाह के प्रवाह को सुविधाजनक बनाते हैं। यह वैज्ञानिक सिद्धांतों और प्रयोगात्मक साक्ष्य के साथ संरक्षित करता है जो विभिन्न परिस्थितियों में धातुओं के प्रवाहकीय व्यवहार का प्रदर्शन करता है। इसलिए, निष्कर्ष बिजली के कंडक्टर के रूप में धातुओं की अंतर्निहित विशेषता को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी धातुएँ बिजली का संचालन करती हैं।

**Q3: कथन: सभी अभाज्य संख्याएँ विषम हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह सामान्यीकृत करता है कि सभी अभाज्य संख्याएँ विषम संख्याओं की श्रेणी से संबंधित हैं। यह निष्कर्ष गणितीय सिद्धांतों द्वारा समर्थित है, विशेष रूप से 1 से अधिक पूर्णांकों के रूप में अभाज्य संख्याओं की परिभाषा जिनके पास 1 और स्वयं के अलावा कोई सकारात्मक भाजक नहीं है। चूंकि सम संख्याओं में 1 और स्वयं (जैसे 2) के अलावा अन्य भाजक होते हैं, वे अभाज्य नहीं हो सकते। इसलिए, निष्कर्ष अभाज्य संख्याओं और विषम संख्याओं के बीच संबंध को सटीक रूप से दर्शाता है।

**संक्षिप्त विधि:** सभी अभाज्य संख्याएँ विषम हैं।

**Q4: कथन: सभी पक्षी उड़ सकते हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह दावा करता है कि उड़ने की क्षमता "पक्षियों" श्रेणी के सभी सदस्यों की एक सार्वभौमिक विशेषता है। यह निष्कर्ष सामान्य ज्ञान और जैविक टिप्पणियों के अनुरूप है, जो उड़ान को पक्षियों की एक परिभाषित विशेषता के रूप में पहचानते हैं। हालांकि,

**Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.**

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



**Geh Press**

Technical & Scientific Book Publishers  
USA Japan Singapore Germany India Australia

**Logical Reasoning Tricks and Techniques for**

**Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.**

अपवादों को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है जैसे कि उड़ान रहित पक्षी (जैसे, शुतुरमुर्ग, पेंगुइन) जो निष्कर्ष की पूर्ण सार्वभौमिकता को चुनौती देते हैं। फिर भी, निष्कर्ष सामान्यीकरण को सटीक रूप से दर्शाता है कि पक्षियों के बीच उड़ान प्रचलित है।

**लघु विधि:** सभी पक्षी उड़ सकते हैं।

**Q5: कथन: सभी वर्ग आयत हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह दावा करता है कि सभी वर्ग आयतों की व्यापक श्रेणी के भीतर आते हैं। यह निष्कर्ष ज्यामितीय परिभाषाओं द्वारा समर्थित है, क्योंकि वर्ग आयतों (चार समकोण के साथ चतुर्भुज) के मानदंडों को पूरा करते हैं, जबकि सर्वांगसम पक्षों जैसे अतिरिक्त गुणों का प्रदर्शन करते हैं। इसलिए, वर्गों को विशेष विशेषताओं के साथ आयतों का एक विशेष मामला माना जा सकता है। इस प्रकार, निष्कर्ष वर्गों और आयतों के बीच संबंध को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी वर्ग आयत हैं।

**Q6: कथन: सभी मनुष्य नश्वर हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह सामान्यीकृत करता है कि मृत्यु दर "मनुष्य" श्रेणी के सभी सदस्यों की एक सार्वभौमिक विशेषता है। यह निष्कर्ष अनुभवजन्य साक्ष्य और दार्शनिक तर्क द्वारा समर्थित है, क्योंकि मानव मृत्यु दर मानव स्थिति का एक आंतरिक पहलू है, जो संस्कृतियों और ऐतिहासिक काल में मनाया जाता है। इसके अतिरिक्त, यह जैविक समझ के साथ संरेखित होता है, व्यक्तिगत मनुष्यों के परिमित जीवनकाल को स्वीकार करता है। इसलिए, निष्कर्ष मानव मृत्यु दर की अस्तित्वगत वास्तविकता को सटीक रूप से दर्शाता है।

**संक्षिप्त विधि:** सभी मनुष्य नश्वर हैं।

**Q7: कथन: सभी समकोण 90 डिग्री मापते हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह दावा करता है कि 90 डिग्री का माप "समकोण" श्रेणी के सभी सदस्यों की विशेषता है। यह निष्कर्ष ज्यामितीय सिद्धांतों पर आधारित है, क्योंकि समकोण को उन कोणों के रूप में परिभाषित किया जाता है जो ठीक 90 डिग्री मापते हैं। इसलिए, इस मानदंड को पूरा करने वाला कोई भी कोण समकोण के रूप में योग्य है। इस प्रकार, निष्कर्ष यूक्लिडियन ज्यामिति में समकोण की परिभाषित संपत्ति को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी समकोण 90 डिग्री मापते हैं।

**Q8: कथन: सभी पानी के अणुओं में दो हाइड्रोजन परमाणु और एक ऑक्सीजन परमाणु होते हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह सभी उदाहरणों में दो हाइड्रोजन परमाणुओं और एक ऑक्सीजन परमाणु को शामिल करने के लिए पानी की आणविक संरचना को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष रासायनिक सिद्धांत और अनुभवजन्य डेटा द्वारा समर्थित है, जो हाइड्रोजन और

**Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.**

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



**Geh Press**

Technical & Scientific Book Publishers  
USA Japan Singapore Germany India Australia

**Logical Reasoning Tricks and Techniques for**

**Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.**

ऑक्सीजन के सहसंयोजक बंधन गुणों के आधार पर पानी के अणुओं में परमाणुओं की सुसंगत व्यवस्था की पुष्टि करता है। इसके अतिरिक्त, यह पानी के रासायनिक सूत्र (H<sub>2</sub>O) के साथ संरेखित होता है, जो इसके घटक तत्वों के स्टोइकोमेट्रिक अनुपात का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए, निष्कर्ष पानी के अणुओं की संरचनात्मक संरचना को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी पानी के अणुओं का सूत्र H<sub>2</sub>O होता है।

**Q9. कथन: सभी सफल उद्यमियों के पास मजबूत नेतृत्व कौशल होता है।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन से अनुसरण करता है, क्योंकि यह सामान्यीकृत करता है कि मजबूत नेतृत्व कौशल सफल उद्यमियों के बीच एक सार्वभौमिक विशेषता है। यह निष्कर्ष अनुभवजन्य साक्ष्य और व्यावसायिक अनुसंधान द्वारा समर्थित है, जो उद्यमशीलता की सफलता को चलाने में दृष्टि, संचार, निर्णय लेने और टीम प्रबंधन जैसे नेतृत्व गुणों के महत्व को उजागर करता है। इसके अतिरिक्त, यह सफल उद्यमियों के वास्तविक खतों और केस स्टडी के साथ संरेखित होता है जो अपने उद्यमों की स्थापना और स्केलिंग में प्रभावी नेतृत्व का प्रदर्शन करते हैं। इसलिए, निष्कर्ष उद्यमिता और नेतृत्व कौशल के बीच संबंध को सटीक रूप से दर्शाता है। **लघु विधि:** सभी सफल उद्यमी मजबूत नेता होते हैं।

**Q10: कथन: सभी जीवित जीवों को जीवित रहने के लिए पानी की आवश्यकता होती है।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह "जीवित जीवों" श्रेणी के सभी सदस्यों के अस्तित्व के लिए पानी की अनिवार्यता को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष जैविक सिद्धांतों और पारिस्थितिक टिप्पणियों द्वारा समर्थित है, क्योंकि पानी एक मौलिक विलायक, जैव रासायनिक प्रतिक्रियाओं के लिए माध्यम और जीवन के विभिन्न रूपों में सेलुलर प्रक्रियाओं के नियामक के रूप में कार्य करता है। इसके अतिरिक्त, यह पृथ्वी पर विभिन्न पारिस्थितिक तंत्रों और आवासों में पानी पर निर्भर जीवों के सार्वभौमिक वितरण के साथ संरेखित करता है। इसलिए, निष्कर्ष जीवन को बनाए रखने में पानी की अपरिहार्य भूमिका को सटीक रूप से दर्शाता है।

**संक्षिप्त विधि:** सभी जीवित जीवों को जीवित रहने के लिए पानी की आवश्यकता होती है।

**Q11: कथन: सौर मंडल के सभी ग्रह सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करते हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह सौर मंडल के भीतर "ग्रहों" के रूप में वर्गीकृत सभी खगोलीय पिंडों के कक्षीय व्यवहार को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष खगोलीय टिप्पणियों और केप्लर के ग्रहों की गति के नियमों द्वारा समर्थित है, जो सूर्य के चारों ओर ग्रहों की कक्षाओं को नियंत्रित करने वाली गुरुत्वाकर्षण गतिशीलता का वर्णन करते हैं। इसके अतिरिक्त, यह सौर मंडल के हेलियोसेंट्रिक मॉडल के बारे में खगोलविदों और ग्रह वैज्ञानिकों के बीच आम सहमति के साथ संरेखित होता है, जिसमें सूर्य केंद्रीय

**Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.**

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



**Geh Press**

Technical & Scientific Book Publishers  
USA Japan Singapore Germany India Australia

**Logical Reasoning Tricks and Techniques for**

**Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.**

गुरुत्वाकर्षण लंघन के रूप में कार्य करता है। इसलिए, निष्कर्ष ग्रहों और सूर्य के बीच कक्षीय संबंध को सटीक रूप से दर्शाता है।

**संक्षिप्त विधि:** सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा करते हैं।

**Q12: कथन: गर्म होने पर सभी धातुओं का विस्तार होता है।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन से अनुसरण करता है, क्योंकि यह हीटिंग के अधीन होने पर श्रेणी "धातु" के सभी सदस्यों के थर्मल विस्तार व्यवहार को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष अनुभवजन्य टिप्पणियों और वैज्ञानिक प्रयोगों द्वारा समर्थित है जो बढ़े हुए तापमान के संपर्क में आने पर धातु की वस्तुओं के विस्तार का प्रदर्शन करते हैं। इसके अतिरिक्त, यह ऊष्मप्रवैगिकी और परमाणु भौतिकी के मूलभूत सिद्धांतों के साथ संरेखित होता है, जो थर्मल ऊर्जा इनपुट के लिए धातु जाली संरचनाओं की प्रतिक्रिया की व्याख्या करते हैं। इसलिए, निष्कर्ष धातु सामग्री द्वारा प्रदर्शित थर्मल विस्तार गुणों को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** गर्म होने पर सभी धातुओं का विस्तार होता है।

**कथन: सभी जीवों को श्वसन के लिए ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन से अनुसरण करता है, क्योंकि यह चयापचय प्रक्रियाओं के लिए एक महत्वपूर्ण सबस्ट्रेट के रूप में ऑक्सीजन पर सभी जीवित संस्थाओं की श्वसन निर्भरता को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष एरोबिक श्वसन में ऑक्सीजन की भूमिका को स्पष्ट करने वाले शारीरिक अध्ययन और जैव रासायनिक मार्गों द्वारा समर्थित है, जिससे जीव कार्बनिक अणुओं के ऑक्सीकरण के माध्यम से ऊर्जा प्राप्त करते हैं। इसके अतिरिक्त, यह सूक्ष्मजीवों से बहुकोशिकीय जीवों तक, विविध टैक्सा में ऑक्सीजन के उपयोग के पारिस्थितिक अवलोकनों के साथ संरेखित करता है। इसलिए, निष्कर्ष सेलुलर श्वसन में ऑक्सीजन के लिए सार्वभौमिक आवश्यकता को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी जीव ऑक्सीजन का श्वसन करते हैं।

**Q14: कथन: सभी समकोण त्रिभुजों का एक समकोण है।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह दावा करता है कि एक समकोण की उपस्थिति "समकोण त्रिकोण" श्रेणी के सभी सदस्यों की एक परिभाषित विशेषता है। यह निष्कर्ष ज्यामितीय परिभाषाओं पर आधारित है, क्योंकि समकोण त्रिकोण ज्यामितीय आंकड़े हैं जो दो पक्षों के बीच गठित 90 डिग्री के कोण (समकोण) को शामिल करने की विशेषता है। इसलिए, इस मानदंड को पूरा करने वाला कोई भी त्रिभुज एक समकोण त्रिभुज के रूप में योग्य है। इस प्रकार, निष्कर्ष सही त्रिकोण के ज्यामितीय गुणों को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी समकोण त्रिभुजों में एक समकोण होता है।

**Q15: कथन: सभी स्तनधारी जीवित संतानों को जन्म देते हैं।**

Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



**Geh Press**

Technical & Scientific Book Publishers  
USA Japan Singapore Germany India Australia

**Logical Reasoning Tricks and Techniques for**

**Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन से अनुसरण करता है, क्योंकि यह जीवित जन्म के लिए "स्तनधारियों" श्रेणी के सभी सदस्यों के प्रजनन मोड को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष जैविक वर्गीकरण और प्रजनन शरीर रचना विज्ञान द्वारा समर्थित है, जो स्तनधारियों को स्तन ग्रंथियों की उपस्थिति और विविपेरस प्रजनन की क्षमता के आधार पर वर्गीकृत करता है। इसके अतिरिक्त, यह मोनोट्रेम से यूथेरियन तक, विभिन्न प्रजातियों में स्तनधारी प्रजनन के अनुभवजन्य अवलोकनों के साथ संरेखित करता है। इसलिए, निष्कर्ष स्तनधारियों की विविपेरस प्रजनन रणनीति विशेषता को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी स्तनधारी सजीवप्रजक होते हैं।

**Q16: कथन: सभी अभाज्य संख्याएँ पूर्णांक हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह सामान्यीकृत करता है कि सभी अभाज्य संख्याएँ पूर्णाकों की श्रेणी से संबंधित हैं। यह निष्कर्ष गणितीय परिभाषाओं द्वारा समर्थित है, क्योंकि अभाज्य संख्याओं को 1 से अधिक पूर्णांक के रूप में परिभाषित किया गया है जिनके पास 1 और स्वयं के अलावा कोई सकारात्मक भाजक नहीं है। चूंकि पूर्णांक अभाज्य और समग्र दोनों संख्याओं को शामिल करते हैं, इसलिए कोई भी अभाज्य संख्या आवश्यक रूप से पूर्णाकों की व्यापक श्रेणी के भीतर आती है। इसलिए, निष्कर्ष अभाज्य संख्याओं और पूर्णाकों के बीच संबंध को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी अभाज्य संख्याएँ पूर्णांक हैं।

**Q17: कथन: सभी समबाहु त्रिभुजों में सर्वांगसम कोण होते हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह दावा करता है कि सर्वांगसम कोण "समबाहु त्रिकोण" श्रेणी के सभी सदस्यों की एक परिभाषित संपत्ति है। यह निष्कर्ष ज्यामितीय परिभाषाओं पर आधारित है, क्योंकि समबाहु त्रिभुज ज्यामितीय आंकड़े हैं जो तीन समान पक्ष लंबाई और तीन सर्वांगसम कोणों की विशेषता है। इसलिए, इस मानदंड को पूरा करने वाला कोई भी त्रिभुज एक समबाहु त्रिभुज के रूप में योग्य है और सर्वांगसम कोण प्रदर्शित करता है। इस प्रकार, निष्कर्ष समबाहु त्रिभुजों के ज्यामितीय गुणों को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी समबाहु त्रिभुजों में सर्वांगसम कोण होते हैं।

**Q18: कथन: सभी समानांतर रेखाएँ कभी प्रतिच्छेद नहीं करती हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन से अनुसरण करता है, क्योंकि यह "समानांतर रेखाओं" श्रेणी के सभी सदस्यों के गैर-प्रतिच्छेदन व्यवहार को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष यूक्लिडियन ज्यामिति और समानांतर रेखाओं की परिभाषा पर आधारित है, जो ऐसी रेखाएँ हैं जो एक स्थिर दूरी को अलग रखती हैं और अभिसरण या प्रतिच्छेद नहीं करती हैं। इसलिए, इस मानदंड को पूरा करने वाली रेखाओं की कोई भी जोड़ी समानांतर रेखाओं के रूप में योग्य है और गैर-प्रतिच्छेदन की संपत्ति को प्रदर्शित करती है। इस प्रकार, निष्कर्ष समानांतर रेखाओं के बीच ज्यामितीय संबंध को सटीक रूप से दर्शाता है।

**Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.**

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



**Geh Press**

Technical & Scientific Book Publishers  
USA Japan Singapore Germany India Australia

**Logical Reasoning Tricks and Techniques for**

**Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.**

**लघु विधि:** सभी समानांतर रेखाएं गैर-प्रतिच्छेदन हैं।

**Q19: कथन: सभी दाएं हाथ के व्यक्तियों का दाहिना हाथ प्रमुख होता है।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह "दाएं हाथ के व्यक्तियों" श्रेणी के सभी सदस्यों के बीच एक प्रमुख दाहिने हाथ की उपस्थिति को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष अनुभवजन्य टिप्पणियों और न्यूरोलॉजिकल अनुसंधान द्वारा समर्थित है, जो पार्श्वकृत मस्तिष्क समारोह की अभिव्यक्ति के रूप में हाथ की पहचान करता है, जिसमें अधिकांश दाएं हाथ के व्यक्ति मैनुअल कार्यों के लिए अपने दाहिने हाथ में प्रभुत्व प्रदर्शित करते हैं। इसके अतिरिक्त, यह सांस्कृतिक मानदंडों और भाषा के उपयोग के साथ संरेखित होता है जो प्रमुख हाथ के साथ दाएं हाथ को जोड़ता है। इसलिए, निष्कर्ष दाएं हाथ के व्यक्तियों के बीच दाहिने हाथ के प्रभुत्व की व्यापकता को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** दाएं हाथ के सभी लोग दाएं हाथ के प्रमुख होते हैं।

**Q20: कथन: सभी वर्ग चतुर्भुज हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह दावा करता है कि सभी वर्ग चतुर्भुजों की व्यापक श्रेणी के भीतर आते हैं। यह निष्कर्ष ज्यामितीय परिभाषाओं पर आधारित है, क्योंकि वर्ग ज्यामितीय आंकड़े हैं जो चार समान पक्ष लंबाई और चार समकोण की विशेषता रखते हैं, जो चतुर्भुजों के मानदंडों को पूरा करते हैं। इसलिए, एक वर्ग के विनिर्देशों को पूरा करने वाला कोई भी आकार चतुर्भुज के रूप में योग्य है। इस प्रकार, निष्कर्ष वर्गों और चतुर्भुजों के बीच ज्यामितीय संबंध को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी वर्ग चतुर्भुज हैं।

**Q21: कथन: सभी परिमेय संख्याओं को अंशों के रूप में व्यक्त किया जा सकता है।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह भिन्नात्मक रूप में "परिमेय संख्या" श्रेणी के सभी सदस्यों की अभिव्यक्ति को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष गणितीय परिभाषाओं में आधारित है, क्योंकि तर्कसंगत संख्याओं को संख्याओं के रूप में परिभाषित किया जाता है जिन्हें दो पूर्णाकों के भागफल या अनुपात के रूप में व्यक्त किया जा सकता है (जहां हर शून्य नहीं है)। इसलिए, इस मानदंड को पूरा करने वाली कोई भी संख्या एक परिमेय संख्या के रूप में योग्य है और इसे अंश के रूप में दर्शाया जा सकता है। इस प्रकार, निष्कर्ष परिमेय संख्याओं की प्रकृति को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी परिमेय संख्याएँ भिन्न होती हैं।

**Q22: कथन: सभी नियमित बहुभुजों में सर्वांगसम भुजाएँ होती हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह दावा करता है कि सर्वांगसम पक्ष "नियमित बहुभुज" श्रेणी के सभी सदस्यों की एक परिभाषित संपत्ति है। यह निष्कर्ष ज्यामितीय परिभाषाओं पर आधारित है, क्योंकि नियमित बहुभुज समान पक्ष लंबाई और समान आंतरिक कोणों की विशेषता वाले बहुभुज हैं। इसलिए, इस मानदंड को पूरा करने वाला कोई भी बहुभुज एक नियमित बहुभुज के रूप में योग्य है।

**Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.**

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



**Geh Press**

Technical & Scientific Book Publishers  
USA Japan Singapore Germany India Australia

**Logical Reasoning Tricks and Techniques for**

**Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.**

और सर्वांगसम पक्षों को प्रदर्शित करता है। इस प्रकार, निष्कर्ष नियमित बहुभुज के ज्यामितीय गुणों को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी नियमित बहुभुजों में सर्वांगसम पक्ष होते हैं।

**Q23: कथन: 6 के सभी गुणज सम संख्याएं हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह "6 के गुणक" श्रेणी के सभी सदस्यों की सम समता को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष गणितीय सिद्धांतों द्वारा समर्थित है, क्योंकि सम संख्याओं को शेष छोड़े बिना 2 से विभाज्य पूर्णांक के रूप में परिभाषित किया गया है। चूंकि 6 के गुणकों को पूर्णांक कारकों द्वारा 6 को गुणा करके प्राप्त किया जाता है, इसलिए उनके पास स्वाभाविक रूप से 2 के कारक होते हैं, जिससे वे सम हो जाते हैं। इसलिए, 6 का कोई भी पूर्णांक गुणज एक सम संख्या के रूप में योग्य होता है। इस प्रकार, निष्कर्ष 6 के गुणकों और सम संख्याओं के बीच समता संबंध को सटीक रूप से दर्शाता है। **लघु विधि:** 6 के सभी गुणज सम हैं।

**Q24: कथन: सभी वर्गों में चार समकोण हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह दावा करता है कि चार समकोण की उपस्थिति "वर्गों" श्रेणी के सभी सदस्यों की एक परिभाषित संपत्ति है। यह निष्कर्ष ज्यामितीय परिभाषाओं पर आधारित है, क्योंकि वर्ग ज्यामितीय आंकड़े हैं जो चार समान भुजा लंबाई और चार समकोण की विशेषता हैं। इसलिए, इस मानदंड को पूरा करने वाली कोई भी आकृति एक वर्ग के रूप में योग्य है और चार समकोण प्रदर्शित करती है। इस प्रकार, निष्कर्ष वर्गों के ज्यामितीय गुणों को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी वर्गों में चार समकोण होते हैं।

**Q25: कथन: सभी स्तनधारियों के बाल या फर होते हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन से अनुसरण करता है, क्योंकि यह "स्तनधारियों" श्रेणी के सभी सदस्यों की एक विशिष्ट विशेषता के रूप में बाल या फर की उपस्थिति को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष जैविक वर्गीकरण और शारीरिक टिप्पणियों द्वारा समर्थित है, जो बालों को स्तनधारियों की एक परिभाषित विशेषता के रूप में पहचानते हैं, जो इन्सुलेशन, संरक्षण और संवेदी धारणा जैसे विभिन्न कार्यों की सेवा करते हैं। इसके अतिरिक्त, यह स्थलीय से जलीय आवासों तक, विभिन्न स्तनधारी प्रजातियों में बाल/फर की उपस्थिति के अनुभवजन्य साक्ष्य के साथ सरेखित करता है। इसलिए, निष्कर्ष स्तनधारियों के बीच बालों या फर की सर्वव्यापी प्रकृति को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी स्तनधारियों के पास बाल/फर होते हैं।

**Q26: कथन: सभी अभाज्य संख्याएँ 1 से बड़ी हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह सामान्यीकृत करता है कि "अभाज्य संख्या" श्रेणी के सभी सदस्यों के मान 1 से अधिक हैं। यह निष्कर्ष अभाज्य संख्याओं की गणितीय

**Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.**

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



**Geh Press**

Technical & Scientific Book Publishers  
USA Japan Singapore Germany India Australia

**Logical Reasoning Tricks and Techniques for**

**Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.**

परिभाषा द्वारा समर्थित है, जो 1 से अधिक पूर्णांक हैं जिनके पास 1 और स्वयं के अलावा कोई सकारात्मक भाजक नहीं है। चूंकि अभाज्य संख्याओं की अवधारणा 1 को बाहर करती है (जो न तो अभाज्य है और न ही समग्र है) और 1 से कम कोई भी संख्या, सभी अभाज्य संख्याओं में स्वाभाविक रूप से 1 से अधिक मान होते हैं। इसलिए, निष्कर्ष अभाज्य संख्याओं की संख्यात्मक विशेषताओं को सटीक रूप से दर्शाता है। **संक्षिप्त विधि:** सभी अभाज्य संख्याएं  $1 >$  हैं।

**Q27: कथन: सभी समबाहु त्रिभुज भी समद्विबाहु त्रिभुज हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह दावा करता है कि सभी समबाहु त्रिभुज "समद्विबाहु त्रिकोण" की श्रेणी से संबंधित हैं। यह निष्कर्ष ज्यामितीय परिभाषाओं पर आधारित है, क्योंकि समबाहु त्रिभुज तीन सर्वांगसम भुजाओं वाले त्रिभुज होते हैं, जो समद्विबाहु त्रिभुजों (जिनमें कम से कम दो सर्वांगसम पक्ष होते हैं) के मानदंडों को पूरा करते हैं। इसलिए, एक समबाहु त्रिभुज के विनिर्देशों को पूरा करने वाला कोई भी त्रिभुज स्वचालित रूप से एक समद्विबाहु त्रिभुज के रूप में योग्य हो जाता है। इस प्रकार, निष्कर्ष समबाहु और समद्विबाहु त्रिभुजों के बीच ज्यामितीय संबंध को सटीक रूप से दर्शाता है। **लघु विधि:** सभी समबाहु त्रिभुज समद्विबाहु होते हैं।

**Q28: कथन: सभी समकोण सर्वांगसम हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह "समकोण" श्रेणी के सभी सदस्यों की समानता को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष ज्यामितीय परिभाषाओं पर आधारित है, क्योंकि समकोण को उन कोणों के रूप में परिभाषित किया जाता है जो ठीक 90 डिग्री मापते हैं। इसलिए, इस मानदंड को पूरा करने वाला कोई भी कोण समकोण के रूप में अर्हता प्राप्त करता है और अन्य सभी समकोण के साथ सर्वांगसमता प्रदर्शित करता है। इस प्रकार, निष्कर्ष समकोण की ज्यामितीय संपत्ति को सटीक रूप से दर्शाता है। **लघु विधि:** सभी समकोण सर्वांगसम होते हैं।

**Q29: कथन: सभी पूर्ण वर्ग गैर-ऋणात्मक पूर्णांक हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह "पूर्ण वर्गों" श्रेणी के सभी सदस्यों की गैर-नकारात्मकता और पूर्णांक प्रकृति को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष गणितीय परिभाषाओं द्वारा समर्थित है, क्योंकि पूर्ण वर्ग संख्याएं हैं जो एक पूर्णांक को चौकोर करने के परिणामस्वरूप होती हैं, जो गैर-नकारात्मक परिणाम उत्पन्न करती हैं। इसके अतिरिक्त, यह वर्ग संख्याओं के मूलभूत गुणों के साथ सरेखित होता है, जिसमें उनके गैर-नकारात्मक मूल्य और अभिन्न जड़ें शामिल हैं। इसलिए, निष्कर्ष सही वर्गों की संख्यात्मक विशेषताओं को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी पूर्ण वर्ग गैर-ऋणात्मक पूर्णांक हैं।

**Q30: कथन: 10 के सभी गुणज 0 में समाप्त होते हैं।**

Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)





**Geh Press**

Technical & Scientific Book Publishers  
USA Japan Singapore Germany India Australia

**Logical Reasoning Tricks and Techniques for**

**Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह "10 के गुणक" श्रेणी के सभी सदस्यों द्वारा प्रदर्शित इकाई अंक पैटर्न को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष आधार -10 स्थितीय अंक प्रणाली पर आधारित है, जहां सबसे दाहिना अंक इकाइयों के स्थान का प्रतिनिधित्व करता है। चूंकि 10 के गुणकों को पूर्णांक कारकों द्वारा 10 को गुणा करके प्राप्त किया जाता है, इसलिए वे लगातार इकाइयों के स्थान पर 0 में समाप्त होते हैं। इसलिए, 10 का कोई भी पूर्णांक गुणज 0 में समाप्त होने वाली संख्या के रूप में योग्य होता है। इस प्रकार, निष्कर्ष 10 के गुणकों की संख्यात्मक विशेषता को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** 10 के सभी गुणज 0 में समाप्त होते हैं।

**Q31: कथन: सभी समकोण त्रिभुजों का एक समकोण है।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह दावा करता है कि एक समकोण की उपस्थिति "समकोण त्रिकोण" श्रेणी के सभी सदस्यों की एक परिभाषित संपत्ति है। यह निष्कर्ष ज्यामितीय परिभाषाओं पर आधारित है, क्योंकि समकोण त्रिकोण ज्यामितीय आंकड़े हैं जो दो पक्षों के बीच गठित 90 डिग्री के कोण (समकोण) को शामिल करने की विशेषता है। इसलिए, इस मानदंड को पूरा करने वाला कोई भी त्रिभुज एक समकोण त्रिभुज के रूप में योग्य है। इस प्रकार, निष्कर्ष सही त्रिकोण के ज्यामितीय गुणों को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी समकोण त्रिभुजों में एक समकोण होता है।

**Q32: कथन: सभी सम संख्याएं 2 से विभाज्य हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह "सम संख्या" श्रेणी के सभी सदस्यों द्वारा प्रदर्शित विभाज्यता मानदंड को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष सम संख्याओं की परिभाषा द्वारा समर्थित है, जो पूर्णांक हैं जिन्हें शेष छोड़े बिना 2 से विभाजित किया जा सकता है। चूंकि समता की अवधारणा 2 से विभाज्यता का तात्पर्य है, सभी सम संख्याएं स्वाभाविक रूप से इस मानदंड को पूरा करती हैं। इसलिए, विभाज्यता गुण को संतुष्ट करने वाला कोई भी पूर्णांक एक सम संख्या के रूप में अर्हता प्राप्त करता है। इस प्रकार, निष्कर्ष सम संख्याओं की संख्यात्मक विशेषता को सटीक रूप से दर्शाता है।

**संक्षिप्त विधि:** सभी सम संख्याएं 2 से विभाज्य हैं।

**Q33: कथन: 5 के सभी गुणज या तो 0 या 5 में समाप्त होते हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह "5 के गुणक" श्रेणी के सभी सदस्यों द्वारा प्रदर्शित इकाई अंक पैटर्न को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष आधार -10 स्थितीय अंक प्रणाली पर आधारित है, जहां 5 के गुणक लगातार इकाइयों के स्थान पर 0 या 5 में समाप्त होते हैं। इसलिए, 5 का कोई भी पूर्णांक गुणक 0 या 5 में समाप्त होने वाली संख्या के रूप में अर्हता प्राप्त करता है। इस प्रकार, निष्कर्ष 5 के गुणकों की संख्यात्मक विशेषता को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** 5 के सभी गुणज 0 या 5 में समाप्त होते हैं।

**Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.**

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



**Geh Press**

Technical & Scientific Book Publishers  
USA Japan Singapore Germany India Australia

**Logical Reasoning Tricks and Techniques for**

**Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.**

**Q34: कथन: सभी वर्ग आयत हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह दावा करता है कि सभी वर्ग आयतों की व्यापक श्रेणी के भीतर आते हैं। यह निष्कर्ष ज्यामितीय परिभाषाओं पर आधारित है, क्योंकि वर्ग आयतों (चार समकोण के साथ चतुर्भुज) के मानदंडों को पूरा करते हैं, जबकि सर्वांगसम पक्षों जैसे अतिरिक्त गुणों का प्रदर्शन करते हैं। इसलिए, वर्गों को विशेष विशेषताओं के साथ आयतों का एक विशेष मामला माना जा सकता है। इस प्रकार, निष्कर्ष वर्गों और आयतों के बीच ज्यामितीय संबंध को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी वर्ग आयत हैं।

**Q35: कथन: सभी प्राकृतिक संख्याएं पूर्ण संख्याएं हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह "पूर्ण संख्याओं" की श्रेणी के भीतर "प्राकृतिक संख्या" श्रेणी के सभी सदस्यों को शामिल करने का सामान्यीकरण करता है। यह निष्कर्ष गणितीय परिभाषाओं द्वारा समर्थित है, जहां प्राकृतिक संख्याएं गिनती के लिए उपयोग की जाने वाली गैर-नकारात्मक पूर्णांक हैं और पूर्ण संख्याएं शून्य के साथ प्राकृतिक संख्याओं को शामिल करती हैं। इसलिए, प्राकृतिक संख्या माना जाने वाला कोई भी पूर्णांक भी पूर्ण संख्या के रूप में योग्य होता है। इस प्रकार, निष्कर्ष प्राकृतिक संख्याओं और पूर्ण संख्याओं के बीच संख्यात्मक संबंध को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी प्राकृतिक संख्याएं पूर्ण संख्याएं हैं।

**Q36: कथन: सभी वर्गों की चार समान भुजाएँ हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह दावा करता है कि चार समान पक्षों की उपस्थिति "वर्गों" श्रेणी के सभी सदस्यों की एक परिभाषित संपत्ति है। यह निष्कर्ष ज्यामितीय परिभाषाओं पर आधारित है, क्योंकि वर्ग ज्यामितीय आंकड़े हैं जो समान लंबाई के चार पक्षों और चार समकोण की विशेषता हैं। इसलिए, इस मानदंड को पूरा करने वाली कोई भी आकृति एक वर्ग के रूप में योग्य होती है और चार समान पक्षों को प्रदर्शित करती है। इस प्रकार, निष्कर्ष वर्गों के ज्यामितीय गुणों को सटीक रूप से दर्शाता है।

**संक्षिप्त विधि:** सभी वर्गों की भुजाएँ समान होती हैं।

**Q37: कथन: सभी परिमेय संख्याओं को दशमलव को समाप्त करने या दोहराने के रूप में दर्शाया जा**

**सकता है। निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन से अनुसरण करता है, क्योंकि यह "तर्कसंगत संख्या" श्रेणी के सभी सदस्यों की दशमलव प्रतिनिधित्व संपत्ति को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष परिमेय संख्याओं की परिभाषा द्वारा समर्थित है, जो संख्याएं हैं जिन्हें दो पूर्णाकों के भागफल के रूप में व्यक्त किया जा सकता है। चूंकि दो पूर्णाकों के विभाजन के परिणामस्वरूप या तो दशमलव समाप्त हो जाता है या दोहरा दिया जाता है, इसलिए सभी तर्कसंगत संख्याएं इस दशमलव प्रतिनिधित्व संपत्ति को प्रदर्शित करती हैं। इसलिए, इस मानदंड को पूरा करने वाली कोई भी संख्या एक परिमेय संख्या के रूप में योग्य है। इस प्रकार, निष्कर्ष परिमेय संख्याओं की दशमलव विशेषताओं को सटीक रूप से दर्शाता है।

**Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.**

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)



**Geh Press**

Technical & Scientific Book Publishers  
USA Japan Singapore Germany India Australia

**Logical Reasoning Tricks and Techniques for**

**Exam: IAS, PCS, UPSC, Bank PO, NDA, RRB, SSC, Indian Air Force, Etc.**

**लघु विधि:** सभी परिमेय संख्याएं दशमलव को समाप्त या दोहरा रही हैं।

**Q38: कथन: सभी स्तनधारी जीवित संतानों को जन्म देते हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन से अनुसरण करता है, क्योंकि यह जीवित जन्म के लिए "स्तनधारियों" श्रेणी के सभी सदस्यों के प्रजनन मोड को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष जैविक वर्गीकरण और प्रजनन शरीर रचना विज्ञान द्वारा समर्थित है, जो स्तनधारियों को स्तन ग्रंथियों की उपस्थिति और विविपेरस प्रजनन की क्षमता के आधार पर वर्गीकृत करता है। इसके अतिरिक्त, यह मोनोट्रेम से यूथेरियन तक, विभिन्न प्रजातियों में स्तनधारी प्रजनन के अनुभवजन्य अवलोकनों के साथ संरेखित करता है। इसलिए, निष्कर्ष स्तनधारियों की विविपेरस प्रजनन रणनीति विशेषता को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी स्तनधारी सजीवप्रजक होते हैं।

**Q39: कथन: सभी समकोण त्रिभुजों का एक समकोण है।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह दावा करता है कि एक समकोण की उपस्थिति "समकोण त्रिकोण" श्रेणी के सभी सदस्यों की एक परिभाषित संपत्ति है। यह निष्कर्ष ज्यामितीय परिभाषाओं पर आधारित है, क्योंकि समकोण त्रिकोण ज्यामितीय आंकड़े हैं जो दो पक्षों के बीच गठित 90 डिग्री के कोण (समकोण) को शामिल करने की विशेषता है। इसलिए, इस मानदंड को पूरा करने वाला कोई भी त्रिभुज एक समकोण त्रिभुज के रूप में योग्य है। इस प्रकार, निष्कर्ष सही त्रिकोण के ज्यामितीय गुणों को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी समकोण त्रिभुजों में एक समकोण होता है।

**Q40: कथन: सभी पूर्ण वर्ग गैर-ऋणात्मक पूर्णांक हैं।**

**निष्कर्ष: लंबी विधि:** निष्कर्ष तार्किक रूप से कथन का अनुसरण करता है, क्योंकि यह "पूर्ण वर्गों" श्रेणी के सभी सदस्यों की गैर-नकारात्मकता और पूर्णांक प्रकृति को सामान्यीकृत करता है। यह निष्कर्ष गणितीय परिभाषाओं द्वारा समर्थित है, क्योंकि पूर्ण वर्ग संख्याएं हैं जो एक पूर्णांक को चौकोर करने के परिणामस्वरूप होती हैं, जो गैर-नकारात्मक परिणाम उत्पन्न करती हैं। इसके अतिरिक्त, यह वर्ग संख्याओं के मूलभूत गुणों के साथ संरेखित होता है, जिसमें उनके गैर-नकारात्मक मूल्य और अभिन्न जड़ें शामिल हैं। इसलिए, निष्कर्ष सही वर्गों की संख्यात्मक विशेषताओं को सटीक रूप से दर्शाता है।

**लघु विधि:** सभी पूर्ण वर्ग गैर-ऋणात्मक पूर्णांक हैं।

**Copyright By: Geh Press: Technical and Scientific Publication House in USA, India.**

gehpress.com, E-mail: gehpress@gmail.com, Run By: Prof. (Dr.) Reena Singh, Post Doc (Japan)